The Ministry of Food Processing Industries is implementing a plan scheme which seeks to provide assistance to public sector/joint sector, cooperative sector units etc. for setting up/ upgrading/ enlarging fruit and vegetable processing units including processing of chips and tomato sauce assistance upto 50% of the non recurring capital cost (upto 60% in case of industrially backward districts and 75% in case of ITDF districts, northeastern and hill states) is available in the form of grant in aid loan etc.; in case of assisted/ private sector units, which are set up in rural areas, financial assistance limited to 15% of the equity capital is available by way of seed capital (interest free loan) subject to a ceiling of Rs. 15 lakhs per unit/applicant; and preference is given for such assistance to export oriented units.

(b) The capital outlay earmarked for the scheme for the 8th Five year plan is Rs. 14 crores.

Amount spent on advertisements

3884. SHRI MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZAL: Will the Minister of FOOD PROCESSING INDUSTRIES be pleased to state the details of the total amount spent by your Ministry on advertisement given to the Newspapers direct or through DAVP etc. during the period 1992-93 and 1993-94 languagewise?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES (SHRI TARUN GOGOI): An amount of Rs. 22,520/ has been spent during 1993-94 on advertisements given to Newspapers directly by this Ministry. The following amounts have been committed by DAVP for advertisements on behalf of this Ministry during 1992-93 and 1993-94.

Language	1992-93	1993-94
English	60257	84680
Hindi	1465	27195
Urdu	963	1287
Marathi	4688	6395
Gujarati	10432	17860
Bengali	8254	4793
Tamil	6397	1133
Telugu	7269	3229
Malyalam	29692	4070
Punjabi	—	1067
Oriya	—	2093
Kannada	—	3657
Total:	1,29,417	1,57,459

नकली ठंडे पेय पदार्थों की खपत

3885. **श्री रामजीलाल:** क्या खाद्य प्रसंस्करण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि आम जनता नकली ठंडे पेय, जिन पर कोई मानक चिन्ह नहीं है, पीकर बीमार हो रही है;

(ख) यदि हां, तो प्रभावित व्यक्तियों का राज्यवार ब्यौरा क्या है; और

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान सरकार ने इसे रोकने हेतु कितने व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही की है?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री तरूण गोगोई): (क) से (ग) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

हलर मिलों का आधुनिकीकरण

3886. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला:**
श्री आस मोहम्मद:
श्री भगवान माझी:

क्या खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हलर मिलों के आधुनिकीकरण के प्रयास किए हैं;

(ख) यदि हां, तो गत दो वर्षों के दौरान कितनी हलर मिलों का आधुनिकीकरण किया गया है; और

(ग) गत वर्ष के दौरान प्रदान की गई राजसहायता का राज्यवार ब्यौरा क्या है?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री तरूण गोगोई): (क) जी, हां।

(ख) सूचना एकत्र की जा रही है और सभापटल पर रख दी जायेगी।

(ग) 1993-94 के दौरान उपलब्ध कराई गई सब्सिडी का राज्य वार ब्यौरा इस प्रकार है:

मणिपुर	12.10 लाख रु.
तमिलनाडु	30.00 लाख रु.
उत्तर प्रदेश	45.00 लाख रु.
केरल	5.00 लाख रु.
हिमाचल प्रदेश	1.80 लाख रु.

बीयर, वाइन और स्कॉच का उत्पादन

3887. **श्री राम जेठमलानी: क्या खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) **क्या यह सच है कि देश में कई औद्योगिक** एकक बीयर, वाइन व स्कॉच का उत्पादन कर रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो जून, 1994 के अन्त तक ऐसी कितनी इकाइयां थीं; और उनकी उत्पादन क्षमता कितनी-कितनी है;

(ग) क्या यह भी सच है कि अगस्त, 1991 से जून, 1994 की अवधि के दौरान सरकार को कई नए औद्योगिक एकक स्थापित करने हेतु अनेकों पेशकश प्राप्त हुई हैं;

(घ) यदि हां, तो उनकी संख्या कितनी है तथा उनकी उत्पादन-क्षमता कितनी-कितनी है तथा उनमें से कितने एकको में जून, 1994 से उत्पादन आरंभ हो गया है;

(ङ) देश में एल्कोहल पेयों की स्थापित उत्पादन क्षमता कितनी है और गत तीन वर्षों के दौरान इस संबंध में औसत वार्षिक उत्पादन कितना रहा है; और

(च) गत तीन वर्षों के दौरान किनकिन एल्कोहल पेयों का और कितनी-कितनी मात्रा में प्रति वर्ष निर्यात किया गया?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री तरुण गोगोई): (क) जी हां। देश में कुछ यूनिटें बीयर और वाइन का उत्पादन कर रही हैं। बहरहाल, देश में किसी भी यूनिट ने स्कॉच विह्स्की का उत्पादन करना शुरू नहीं किया है।

(ख) वाइन का उत्पादन करने वाली यूनिटों के बारे में सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी। भारत सरकार द्वारा लाइसेंस प्राप्त बीयर और स्कॉच विह्स्की उत्पादकों के बारे में सूचना संलग्नविवरण में दी गई है। (नीचे देखिए)

(ग) जी हां।

(घ) सूचना संलग्न विवरण" में दी गई है। (नीचे देखिए)

(ङ) वर्ष 1990-91 से 1992-93 के लिए अल्कोहल पेयों का उत्पादन कर रही यूनिटों की लाइसेंस प्राप्त क्षमता और औसत वार्षिक उत्पादन निम्नलिखित है:

मद	लाइसेंस प्राप्त क्षमता	औसत वार्षिक उत्पादन
बीयर	1.4 लाख कि.ली.	2.3 लाख कि.ली.
पेय अल्कोहल	1.8 लाख कि.ली.	4.59 लाख कि.ली.

(च) सूचना संलग्न विवरण III पर देखें

विवरण-I

उत्पादन कर रही यूनिटों की संख्या

मद	यूनिटों की संख्या	लाइसेंस प्राप्त क्षमता
बीयर	32	1.4 लाख कि.ली. सालाना
स्कॉच	शून्य	शून्य
वाइन	सूचना एकत्र की जा रही है।	

विवरण-II

मद	प्राप्त आवेदन पत्रों की संख्या	अनुमोदित मामलों की संख्या	अनुमोदित लाइसेंस प्राप्त क्षमता
बीयर	16	**8**	**1.3 लाख कि.ली.**
वाइन	2	**शून्य**	–
स्कॉच	6	**4**	**41.120 कि.ली.**

इनमें से किसी भी यूनिट ने उत्पादन करना शुरू नहीं किया है।